shrI mInAxI sundareshvara stotram

श्रीमीनाक्षी सुन्दरेश्वरस्तोत्रम्

Document Information

Text title : mInAxI sundareshvara stotram

File name : minsundereshvara.itx

Category : devii, mInAkShI, stotra, devI

Location : doc_devii

Author : Traditional

Transliterated by : Subramanian Ganesh sgesh at hotmail.com

Proofread by : Subramanian Ganesh sgesh at hotmail.com

Latest update : March 15, 2001

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 17, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीमीनाक्षी सुन्दरेश्वरस्तोत्रम्

सुवर्णपद्मिनीतटान्तदिव्यहर्म्यवासिने
सुपर्णवाहनप्रियाय सूर्यकोटितेजसे ।
अपर्णया विहारिणे फणाधरेन्द्रधारिणे
सदा नमश्शिवाय ते सदाशिवाय शंभवे ॥ १ ॥

सुतुङ्गभङ्गजान्हुजासुधांशुखण्डमौलये
पतङ्गपङ्कजासुहृत्कृपीटयोनिचक्षुषे ।
भुजङ्गराजकुण्डलाय पुण्यशालिबन्धवे
सदा नमश्शिवाय ते सदाशिवाय शंभवे ॥ २ ॥

चतुर्मुखाननारविन्दवेदगीतमूर्तये
चतुर्भुजानुजाशरीरशोभमानमूर्तये ।
चतुर्विधार्थदानशौण्डताण्डवस्वरूपिने
सदा नमश्शिवाय ते सदाशिवाय शंभवे ॥ ३ ॥

शरन्निशाकरप्रकाशमन्दहासमञ्जुला-
धरप्रवालभासमानवक्त्रमण्डलश्रिये ।
करस्फुरत्कपालमुक्तविष्णुरक्तपायिने
सदा नमश्शिवाय ते सदाशिवाय शंभवे ॥ ४ ॥

सहस्रपुण्डरीकपूजनैकशून्यदर्शना
सहस्वनेत्रकल्पितार्चनाच्युताय भक्तितः ।
सहस्रभानुमण्डलप्रकाशचक्रदायिने
सदा नमश्शिवाय ते सदाशिवाय शंभवे ॥ ५ ॥

रसारथाय रम्यपत्रभृद्रथाङ्गपाणये
रसाधरेन्द्रचापशिञ्जिनीकृतानिलाशिने ।
स्वसारथीकृताजनुन्नवेदरूपवाजिने
सदा नमश्शिवाय ते सदाशिवाय शंभवे ॥ ६ ॥

अतिप्रगल्भवीरभद्रसिंहनादगर्जित
श्रुतिप्रभीतदक्षयागभोगिनाकसद्मनाम् ।
गतिप्रदाय गर्जिताखिलप्रपञ्चसाक्षिणे
सदा नमश्शिवाय ते सदा शिवाय शंभवे ॥ ७ ॥

मृकण्डुसूनुरक्षणावधूतदण्डपाणये
सुगण्डमण्डलस्फुरत्प्रभाजितामृतांशवे ।
अखण्डभोगसम्पदर्थिलोकभावितात्मने
सदा नमश्शिवाय ते सदा शिवाय शंभवे ॥ ८ ॥

मधुरिपुविधिशक्रमुख्यदेवैरपि नियमार्चितपादपङ्कजाय ।
कनकगिरिशरासनाय तुभ्यं रजतसभापतये नमः शिवाय ॥ ९ ॥

हालास्यनाथाय महेश्वराय हालाहलालङ्कृतकन्धराय ।
मीनेक्षनायाः पतये शिवाय नमो नमः सुन्दरताण्डवाय ॥ १० ॥

त्वया कृतमिदं स्तोत्रं यः पठेद्भक्तिसंयुतः ।
तस्याऽऽयुर्दीर्घमारोग्यं सम्पदश्च ददाम्यहम् ॥ ११ ॥

Encoded by Subramanian Ganesh <स्गेश्@होत्मैल्ॅओम्> From hAlAsya mahAtmiyam.

shrI mInAxI sundareshvara stotram

pdf was typeset on September 17, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*